**---無上甚深微妙法，百千萬劫難遭遇，我今見聞得受持，願解如來真實義。---**

**普賢菩薩行願品**

**弟子：　　　　　　　　　　　　　　　第　　　遍於民國　　年　　月　　日抄誦**

## 1.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a1))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 爾 | 時 | 普 | 賢 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ， | 稱 | 歎 | 如 | 來 | 勝 | 功 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 德 | 已 | ， | 告 | 諸 | 菩 | 薩 | 及 | 善 | 財 | 言 | ： | 『 | 善 | 男 | 子 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ！ | 如 | 來 | 功 | 德 | ， | 假 | 使 | 十 | 方 | 一 | 切 | 諸 | 佛 | ， | 經 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 劫 | ， | 相 | 續 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 演 | 說 | ， | 不 | 可 | 窮 | 盡 | ！ | 若 | 欲 | 成 | 就 | 此 | 功 | 德 | 門 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 應 | 修 | 十 | 種 | 廣 | 大 | 行 | 願 | 。 | 何 | 等 | 為 | 十 | ？ | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | 、 | 禮 | 敬 | 諸 | 佛 | 。 | 二 | 者 | 、 | 稱 | 讚 | 如 | 來 | 。 | 三 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | 、 | 廣 | 修 | 供 | 養 | 。 | 四 | 者 | 、 | 懺 | 悔 | 業 | 障 | 。 | 五 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | 、 | 隨 | 喜 | 功 | 德 | 。 | 六 | 者 | 、 | 請 | 轉 | 法 | 輪 | 。 | 七 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | 、 | 請 | 佛 | 住 | 世 | 。 | 八 | 者 | 、 | 常 | 隨 | 佛 | 學 | 。 | 九 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | 、 | 恆 | 順 | 眾 | 生 | 。 | 十 | 者 | 、 | 普 | 皆 | 迴 | 向 | 。 | 善 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 財 | 白 | 言 | ： | 「 | 大 | 聖 | ！ | 云 | 何 | 禮 | 敬 | 乃 | 至 | 迴 | 向 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ？ | 」 | 普 | 賢 | 菩 | 薩 | 告 | 善 | 財 | 言 | ： | 「 | 善 | 男 | 子 | ！ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 言 | 禮 | 敬 | 諸 | 佛 | 者 | ， | 所 | 有 | 盡 | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 十 | 方 | 三 | 世 | 一 | 切 | 佛 | 剎 | ， | 極 | 微 | 塵 | 數 | 諸 | 佛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 尊 | ， | 我 | 以 | 普 | 賢 | 行 | 願 | 力 | 故 | ， | 深 | 心 | 信 | 解 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 如 | 對 | 目 | 前 | ， | 悉 | 以 | 清 | 淨 | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 常 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 修 | 禮 | 敬 | 。 | 一 | 一 | 佛 | 所 | ， | 皆 | 現 | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 說 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 身 | 。 | 一 | 一 | 身 | ， | 遍 | 禮 | 不 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 佛 | 剎 | 及 | 微 | 塵 | 數 | 佛 | 。 | 虛 | 空 | 界 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | ， | 我 | 禮 | 乃 | 盡 | ， | 以 | 虛 | 空 | 界 | 不 | 可 | 盡 | 故 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 此 | 禮 | 敬 | 無 | 有 | 窮 | 盡 | 。 | 如 | 此 | 乃 | 至 | 眾 | 生 | 界 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 | 禮 | 乃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | 。 | 而 | 眾 | 生 | 界 | 乃 | 至 | 煩 | 惱 | 無 | 有 | 盡 | 故 | ， | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 禮 | 敬 | 無 | 有 | 窮 | 盡 | 。 | 念 | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 | 間 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 | 疲 | 厭 | 。 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 2.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a2))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 稱 | 讚 | 如 | 來 | 者 | ， | 所 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | ， | 十 | 方 | 三 | 世 | 一 | 切 | 剎 | 土 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 所 | 有 | 極 | 微 | 一 | 一 | 塵 | 中 | ， | 皆 | 有 | 一 | 切 | 世 | 間 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 極 | 微 | 塵 | 數 | 佛 | ； | 一 | 一 | 佛 | 所 | ， | 皆 | 有 | 菩 | 薩 | 海 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 會 | 圍 | 繞 | 。 | 我 | 當 | 悉 | 以 | 甚 | 深 | 勝 | 解 | ， | 現 | 前 | 知 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 見 | ， | 各 | 以 | 出 | 過 | 辯 | 才 | 天 | 女 | 微 | 妙 | 舌 | 根 | ， | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 舌 | 根 | ， | 出 | 無 | 盡 | 音 | 聲 | 海 | ， | 一 | 一 | 音 | 聲 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 出 | 一 | 切 | 言 | 辭 | 海 | ， | 稱 | 揚 | 讚 | 嘆 | 一 | 切 | 如 | 來 | 諸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 功 | 德 | 海 | 。 | 窮 | 未 | 來 | 際 | ， | 相 | 續 | 不 | 斷 | ， | 盡 | 於 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 法 | 界 | ， | 無 | 不 | 周 | 遍 | **。** | 如 | 是 | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 讚 | 乃 | 盡 | 。 | 而 | 虛 | 空 | 界 | 乃 | 至 | 煩 | 惱 | 無 | 有 | 盡 | 故 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 我 | 此 | 讚 | 嘆 | 無 | 有 | 窮 | 盡 | 。 | 念 | 念 | 相 | 續 | ， | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 | 疲 | 厭 | 。 | 復 | 次 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 廣 | 修 | 供 | 養 | 者 | ， | 所 | 有 | 盡 | 法 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | ， | 十 | 方 | 三 | 世 | 一 | 切 | 佛 | 剎 | 極 | 微 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 塵 | 中 | ， | 一 | 一 | 各 | 有 | 一 | 切 | 世 | 界 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 佛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 一 | 一 | 佛 | 所 | ， | 種 | 種 | 菩 | 薩 | 海 | 會 | 圍 | 繞 | 。 | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 以 | 普 | 賢 | 行 | 願 | 力 | 故 | ， | 起 | 深 | 信 | 解 | ， | 現 | 前 | 知 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 見 | ， | 悉 | 以 | 上 | 妙 | 諸 | 供 | 養 | 具 | 而 | 為 | 供 | 養 | 。 | 所 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 謂 | 華 | 雲 | 、 | 鬘 | 雲 | 、 | 天 | 音 | 樂 | 雲 | 、 | 天 | 傘 | 蓋 | 雲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 天 | 衣 | 服 | 雲 | 、 | 天 | 種 | 種 | 香 | 、 | 塗 | 香 | 、 | 燒 | 香 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 末 | 香 | ， | 如 | 是 | 等 | 雲 | ， | 一 | 一 | 量 | 如 | 須 | 彌 | 山 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 王 | 。 | 然 | 種 | 種 | 燈 | ， | 酥 | 燈 | 、 | 油 | 燈 | ， | 諸 | 香 | 油 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 燈 | ， | 一 | 一 | 燈 | 柱 | 如 | 須 | 彌 | 山 | ， | 一 | 一 | 燈 | 油 | 如 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 大 | 海 | 水 | 。 | 以 | 如 | 是 | 等 | 諸 | 供 | 養 | 具 | ， | 常 | 為 | 供 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 養 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 3.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a3))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 善 | 男 | 子 | ！ | 諸 | 供 | 養 | 中 | ， | 法 | 供 | 養 | 最 | 。 | 所 | 謂 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 說 | 修 | 行 | 供 | 養 | ， | 利 | 益 | 眾 | 生 | 供 | 養 | ， | 攝 | 受 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 生 | 供 | 養 | ， | 代 | 眾 | 生 | 苦 | 供 | 養 | ， | 勤 | 修 | 善 | 根 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 供 | 養 | ， | 不 | 捨 | 菩 | 薩 | 業 | 供 | 養 | ， | 不 | 離 | 菩 | 提 | 心 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 供 | 養 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 如 | 前 | 供 | 養 | 無 | 量 | 功 | 德 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 比 | 法 | 供 | 養 | 一 | 念 | 功 | 德 | ， | 百 | 分 | 不 | 及 | 一 | ， | 千 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 分 | 不 | 及 | 一 | ， | 百 | 千 | 俱 | 胝 | 那 | 由 | 他 | 分 | 、 | 迦 | 羅 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 分 | 、 | 算 | 分 | 、 | 數 | 分 | 、 | 喻 | 分 | 、 | 優 | 波 | 尼 | 沙 | 陀 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 分 | 、 | 亦 | 不 | 及 | 一 | 。 | 何 | 以 | 故 | ？ | 以 | 諸 | 如 | 來 | 尊 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 重 | 法 | 故 | 。 | 以 | 如 | 說 | 行 | ， | 初 | 生 | 諸 | 佛 | 故 | 。 | 若 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 菩 | 薩 | 行 | 法 | 供 | 養 | ， | 則 | 得 | 成 | 就 | 供 | 養 | 如 | 來 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 如 | 是 | 修 | 行 | ， | 是 | 真 | 供 | 養 | 故 | 。 | 此 | 廣 | 大 | 最 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 勝 | 供 | 養 | ， | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 | 供 | 乃 | 盡 | 。 | 而 | 虛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 空 | 界 | 乃 | 至 | 煩 | 惱 | 不 | 可 | 盡 | 故 | ， | 我 | 此 | 供 | 養 | 亦 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 無 | 有 | 盡 | 。 | 念 | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 意 | 業 | ， | 無 | 有 | 疲 | 厭 | 。 | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 懺 | 悔 | 業 | 障 | 者 | ， | 菩 | 薩 | 自 | 念 | ： | 我 | 於 | 過 | 去 | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 始 | 劫 | 中 | ， | 由 | 貪 | 嗔 | 癡 | ， | 發 | 身 | 口 | 意 | ， | 作 | 諸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 惡 | 業 | ， | 無 | 量 | 無 | 邊 | 。 | 若 | 此 | 惡 | 業 | 有 | 體 | 相 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 盡 | 虛 | 空 | 界 | 不 | 能 | 容 | 受 | 。 | 我 | 今 | 悉 | 以 | 清 | 淨 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 三 | 業 | ， | 遍 | 於 | 法 | 界 | 極 | 微 | 塵 | 剎 | 一 | 切 | 諸 | 佛 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | 眾 | 前 | ， | 誠 | 心 | 懺 | 悔 | ， | 後 | 不 | 復 | 造 | ， | 恆 | 住 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 淨 | 戒 | 一 | 切 | 功 | 德 | 。 | 如 | 是 | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 | 懺 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 乃 | 盡 | ， | 而 | 虛 | 空 | 界 | 乃 | 至 | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 無 | 有 | 盡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 故 | ， | 煩 | 惱 | 無 | 有 | 。 | 而 | 眾 | 生 | 界 | 乃 | 至 | 煩 | 惱 | 不 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 可 | 盡 | 故 | ， | 我 | 此 | 懺 | 悔 | 無 | 有 | 窮 | 盡 | 。 | 念 | 念 | 相 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 續 | ， | 無 | 有 | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 | 疲 | 厭 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 4.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a4))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 隨 | 喜 | 功 | 德 | 者 | ， | 所 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | ， | 十 | 方 | 三 | 世 | 一 | 切 | 佛 | 剎 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 極 | 微 | 塵 | 數 | 諸 | 佛 | 如 | 來 | ， | 從 | 初 | 發 | 心 | ， | 為 | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 切 | 智 | ， | 勤 | 修 | 福 | 聚 | ， | 不 | 惜 | 身 | 命 | ， | 經 | 不 | 可 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 說 | 不 | 可 | 說 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 劫 | ， | 一 | 一 | 劫 | 中 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 捨 | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 頭 | 目 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 手 | 足 | 。 | 如 | 是 | 一 | 切 | 難 | 行 | 苦 | 行 | ， | 圓 | 滿 | 種 | 種 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 波 | 羅 | 蜜 | 門 | ， | 證 | 入 | 種 | 種 | 菩 | 薩 | 智 | 地 | ， | 成 | 就 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 佛 | 無 | 上 | 菩 | 提 | 及 | 般 | 涅 | 槃 | ， | 分 | 布 | 舍 | 利 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 善 | 根 | ， | 我 | 皆 | 隨 | 喜 | 。 | 及 | 彼 | 十 | 方 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 界 | ， | 六 | 趣 | 四 | 生 | ， | 一 | 切 | 種 | 類 | ， | 所 | 有 | 功 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 德 | ， | 乃 | 至 | 一 | 塵 | ， | 我 | 皆 | 隨 | 喜 | 。 | 十 | 方 | 三 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 切 | 聲 | 聞 | 及 | 辟 | 支 | 佛 | ， | 有 | 學 | 無 | 學 | ， | 所 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 功 | 德 | ， | 我 | 皆 | 隨 | 喜 | 。 | 一 | 切 | 菩 | 薩 | 所 | 修 | 無 | 量 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 難 | 行 | 苦 | 行 | ， | 志 | 求 | 無 | 上 | 正 | 等 | 菩 | 提 | ， | 廣 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 功 | 德 | ， | 我 | 皆 | 隨 | 喜 | 。 | 如 | 是 | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 隨 | 喜 | ， | 無 | 有 | 窮 | 盡 | 。 | 念 | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 | 疲 | 厭 | 。 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 5.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a5))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 請 | 轉 | 法 | 輪 | 者 | ， | 所 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | ， | 十 | 方 | 三 | 世 | 一 | 切 | 佛 | 剎 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 極 | 微 | 塵 | 中 | ， | 一 | 一 | 各 | 有 | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 佛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 廣 | 大 | 佛 | 剎 | 。 | 一 | 一 | 剎 | 中 | ， | 念 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 念 | 有 | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 一 | 切 | 諸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 佛 | 成 | 等 | 正 | 覺 | ， | 一 | 切 | 菩 | 薩 | 海 | 會 | 圍 | 繞 | 。 | 而 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 悉 | 以 | 身 | 口 | 意 | 業 | ， | 種 | 種 | 方 | 便 | ， | 殷 | 勤 | 勸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 請 | ， | 轉 | 妙 | 法 | 輪 | 。 | 如 | 是 | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 | 常 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 勸 | 請 | 一 | 切 | 諸 | 佛 | ， | 轉 | 正 | 法 | 輪 | ， | 無 | 有 | 窮 | 盡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 念 | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 無 | 有 | 疲 | 厭 | 。 | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 請 | 佛 | 住 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 者 | ， | 所 | 有 | 盡 | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | ， | 十 | 方 | 三 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 世 | 一 | 切 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 諸 | 佛 | 如 | 來 | ， | 將 | 欲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 示 | 現 | 般 | 涅 | 槃 | 者 | ， | 及 | 諸 | 菩 | 薩 | 、 | 聲 | 聞 | 、 | 緣 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 覺 | ， | 有 | 學 | 無 | 學 | ， | 乃 | 至 | 一 | 切 | 諸 | 善 | 知 | 識 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 悉 | 勸 | 請 | 莫 | 入 | 涅 | 槃 | 。 | 經 | 於 | 一 | 切 | 佛 | 剎 | 極 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 微 | 塵 | 數 | 劫 | ， | 為 | 欲 | 利 | 樂 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 。 | 如 | 是 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 | 此 | 勸 | 請 | ， | 無 | 有 | 窮 | 盡 | 。 | 念 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 疲 | 厭 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 6.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a6))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 常 | 隨 | 佛 | 學 | 者 | ， | 如 | 此 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 娑 | 婆 | 世 | 界 | 毗 | 盧 | 遮 | 那 | 如 | 來 | ， | 從 | 初 | 發 | 心 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 精 | 進 | 不 | 退 | ， | 以 | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 身 | 命 | 而 | 為 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 布 | 施 | 。 | 剝 | 皮 | 為 | 紙 | ， | 析 | 骨 | 為 | 筆 | ， | 刺 | 血 | 為 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 墨 | ， | 書 | 寫 | 經 | 典 | ， | 積 | 如 | 須 | 彌 | 。 | 為 | 重 | 法 | 故 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 不 | 惜 | 身 | 命 | ， | 何 | 況 | 王 | 位 | 、 | 城 | 邑 | 、 | 聚 | 落 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 、 | 宮 | 殿 | 、 | 園 | 林 | ， | 一 | 切 | 所 | 有 | ， | 及 | 餘 | 種 | 種 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 難 | 行 | 苦 | 行 | ， | 乃 | 至 | 樹 | 下 | 成 | 大 | 菩 | 提 | ， | 示 | 種 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 種 | 神 | 通 | ， | 起 | 種 | 種 | 變 | 化 | ， | 現 | 種 | 種 | 佛 | 身 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 處 | 種 | 種 | 眾 | 會 | ， | 或 | 處 | 一 | 切 | 諸 | 大 | 菩 | 薩 | 眾 | 會 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 道 | 場 | ， | 或 | 處 | 聲 | 聞 | 及 | 辟 | 支 | 佛 | 眾 | 會 | 道 | 場 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 或 | 處 | 轉 | 輪 | 聖 | 王 | 、 | 小 | 王 | 眷 | 屬 | 眾 | 會 | 道 | 場 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 或 | 處 | 剎 | 利 | 及 | 婆 | 羅 | 門 | 、 | 長 | 者 | 、 | 居 | 士 | 眾 | 會 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 道 | 場 | ， | 乃 | 至 | 或 | 處 | 天 | 龍 | 八 | 部 | 、 | 人 | 非 | 人 | 等 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 會 | 道 | 場 | 。 | 處 | 於 | 如 | 是 | 種 | 種 | 眾 | 會 | ， | 以 | 圓 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 滿 | 因 | ， | 如 | 大 | 雷 | 震 | ， | 隨 | 其 | 樂 | 欲 | ， | 成 | 熟 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | ， | 乃 | 至 | 示 | 現 | 入 | 於 | 涅 | 槃 | ， | 如 | 是 | 一 | 切 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 皆 | 隨 | 學 | 。 | 如 | 今 | 世 | 尊 | 毗 | 盧 | 遮 | 那 | ， | 如 | 是 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | ， | 十 | 方 | 三 | 世 | 一 | 切 | 佛 | 剎 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 塵 | 中 | 一 | 切 | 如 | 來 | ， | 皆 | 亦 | 如 | 是 | ， | 於 | 念 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 念 | 中 | ， | 我 | 皆 | 隨 | 學 | 。 | 如 | 是 | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 隨 | 學 | ， | 無 | 有 | 窮 | 盡 | ， | 念 | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 | 疲 | 厭 | 。 |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 7.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a7))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 恆 | 順 | 眾 | 生 | 者 | ， | 謂 | 盡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | ， | 十 | 方 | 剎 | 海 | 所 | 有 | 眾 | 生 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 種 | 種 | 差 | 別 | 。 | 所 | 謂 | 卵 | 生 | 、 | 胎 | 生 | 、 | 濕 | 生 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 化 | 生 | ； | 或 | 有 | 依 | 於 | 地 | 、 | 水 | 、 | 火 | 、 | 風 | 而 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 住 | 者 | ； | 或 | 有 | 依 | 空 | 及 | 諸 | 卉 | 木 | 而 | 生 | 住 | 者 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 種 | 種 | 生 | 類 | ， | 種 | 種 | 色 | 身 | ， | 種 | 種 | 形 | 狀 | ， | 種 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 種 | 相 | 貌 | ， | 種 | 種 | 壽 | 量 | ， | 種 | 種 | 族 | 類 | ， | 種 | 種 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 名 | 號 | ， | 種 | 種 | 心 | 性 | ， | 種 | 種 | 知 | 見 | ， | 種 | 種 | 欲 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 樂 | ， | 種 | 種 | 意 | 行 | ， | 種 | 種 | 威 | 儀 | ， | 種 | 種 | 衣 | 服 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 種 | 種 | 飲 | 食 | ， | 處 | 於 | 種 | 種 | 村 | 營 | 、 | 聚 | 落 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 城 | 邑 | 、 | 宮 | 殿 | 。 | 乃 | 至 | 一 | 切 | 天 | 龍 | 八 | 部 | 、 | 人 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 非 | 人 | 等 | ， | 無 | 足 | 、 | 二 | 足 | 、 | 四 | 足 | 、 | 多 | 足 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 色 | 、 | 無 | 色 | 、 | 有 | 想 | 、 | 無 | 想 | 、 | 非 | 有 | 想 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 非 | 無 | 想 | ， | 如 | 是 | 等 | 類 | ， | 我 | 皆 | 於 | 彼 | ， | 隨 | 順 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 而 | 轉 | 。 | 種 | 種 | 承 | 事 | ， | 種 | 種 | 供 | 養 | 。 | 如 | 敬 | 父 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 母 | ， | 如 | 奉 | 師 | 長 | 及 | 阿 | 羅 | 漢 | ， | 乃 | 至 | 如 | 來 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 等 | 無 | 有 | 異 | 。 | 於 | 諸 | 病 | 苦 | ， | 為 | 作 | 良 | 醫 | 。 | 於 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 失 | 道 | 者 | ， | 示 | 其 | 正 | 路 | 。 | 於 | 闇 | 夜 | 中 | ， | 為 | 作 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 光 | 明 | 。 | 於 | 貧 | 窮 | 者 | ， | 令 | 得 | 伏 | 藏 | 。 | 菩 | 薩 | 如 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 是 | 平 | 等 | 饒 | 益 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 。 |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 8.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a8))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 何 | 以 | 故 | ？ | 菩 | 薩 | 若 | 能 | 隨 | 順 | 眾 | 生 | ， | 則 | 為 | 隨 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 順 | 供 | 養 | 諸 | 佛 | 。 | 若 | 於 | 眾 | 生 | 尊 | 重 | 承 | 事 | ， | 則 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 為 | 尊 | 重 | 承 | 事 | 如 | 來 | 。 | 若 | 令 | 眾 | 生 | 生 | 歡 | 喜 | 者 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 則 | 令 | 一 | 切 | 如 | 來 | 歡 | 喜 | 。 | 何 | 以 | 故 | ？ | 諸 | 佛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 來 | 以 | 大 | 悲 | 心 | 而 | 為 | 體 | 故 | 。 | 因 | 於 | 眾 | 生 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 而 | 起 | 大 | 悲 | ： | 因 | 於 | 大 | 悲 | ， | 生 | 菩 | 提 | 心 | ； | 因 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 提 | 心 | ， | 成 | 等 | 正 | 覺 | 。 | 譬 | 如 | 曠 | 野 | 砂 | 磧 | 之 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 中 | ， | 有 | 大 | 樹 | 王 | ， | 若 | 跟 | 得 | 水 | ， | 枝 | 葉 | 華 | 果 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 悉 | 皆 | 繁 | 茂 | 。 | 生 | 死 | 曠 | 野 | 菩 | 提 | 樹 | 王 | ， | 亦 | 復 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 是 | 。 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 而 | 為 | 樹 | 根 | ， | 諸 | 佛 | 菩 | 薩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 而 | 為 | 華 | 果 | ， | 以 | 大 | 悲 | 水 | 饒 | 益 | 眾 | 生 | ， | 則 | 能 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 成 | 就 | 諸 | 佛 | 菩 | 薩 | 智 | 慧 | 華 | 果 | 。 | 何 | 以 | 故 | ？ | 若 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 菩 | 薩 | 以 | 大 | 悲 | 水 | 饒 | 益 | 眾 | 生 | ， | 則 | 能 | 成 | 就 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 阿 | 耨 | 多 | 羅 | 三 | 藐 | 三 | 菩 | 提 | 故 | 。 | 是 | 故 | 菩 | 提 | 屬 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 眾 | 生 | 。 | 若 | 無 | 眾 | 生 | ， | 一 | 切 | 菩 | 薩 | 終 | 不 | 能 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 成 | 無 | 上 | 正 | 覺 | 。 | 善 | 男 | 子 | ！ | 汝 | 於 | 此 | 義 | ， | 應 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 是 | 解 | 。 | 以 | 於 | 眾 | 生 | 心 | 平 | 等 | 故 | ， | 則 | 能 | 成 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 就 | 圓 | 滿 | 大 | 悲 | 。 | 以 | 大 | 悲 | 心 | 隨 | 眾 | 生 | 故 | ， | 則 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 能 | 成 | 就 | 供 | 養 | 如 | 來 | 。 | 菩 | 薩 | 如 | 是 | 隨 | 順 | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 | 此 | 隨 | 順 | 無 | 有 | 窮 | 盡 | 。 | 念 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 | 間 | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 疲 | 厭 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 9.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a9))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 復 | 次 | ， | 善 | 男 | 子 | ！ | 言 | 普 | 皆 | 迴 | 向 | 者 | ， | 從 | 初 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 禮 | 拜 | 乃 | 至 | 隨 | 順 | 所 | 有 | 功 | 德 | ， | 皆 | 悉 | 迴 | 向 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | 法 | 界 | 、 | 虛 | 空 | 界 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 。 | 願 | 令 | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 常 | 得 | 安 | 樂 | ， | 無 | 諸 | 病 | 苦 | 。 | 欲 | 行 | 惡 | 法 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 皆 | 悉 | 不 | 成 | 。 | 所 | 修 | 善 | 業 | ， | 皆 | 速 | 成 | 就 | 。 | 關 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 閉 | 一 | 切 | 諸 | 惡 | 趣 | 門 | ， | 開 | 示 | 人 | 天 | 涅 | 槃 | 正 | 路 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 若 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 因 | 其 | 積 | 集 | 諸 | 惡 | 業 | 故 | ， | 所 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 感 | 一 | 切 | 極 | 重 | 苦 | 果 | ， | 我 | 皆 | 代 | 受 | ， | 令 | 彼 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | ， | 悉 | 得 | 解 | 脫 | ， | 究 | 竟 | 成 | 就 | 無 | 上 | 菩 | 提 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | 如 | 是 | 所 | 修 | 迴 | 向 | ， | 虛 | 空 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 業 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 煩 | 惱 | 盡 | ， | 我 | 此 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 迴 | 向 | ， | 無 | 有 | 窮 | 盡 | ， | 念 | 念 | 相 | 續 | ， | 無 | 有 | 間 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 斷 | ， | 身 | 語 | 意 | 業 | ， | 無 | 有 | 疲 | 厭 | 。 | 善 | 男 | 子 | ！ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 是 | 為 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | 十 | 種 | 大 | 願 | ， | 具 | 足 | 圓 | 滿 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 若 | 諸 | 菩 | 薩 | ， | 於 | 此 | 大 | 願 | ， | 隨 | 順 | 趣 | 入 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 則 | 能 | 成 | 熟 | 一 | 切 | 眾 | 生 | ， | 則 | 能 | 隨 | 順 | 阿 | 耨 | 多 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 羅 | 三 | 藐 | 三 | 菩 | 提 | ， | 則 | 能 | 成 | 滿 | 普 | 賢 | 菩 | 薩 | 諸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 行 | 願 | 海 | 。 | 是 | 故 | 善 | 男 | 子 | ！ | 汝 | 於 | 此 | 義 | ， | 應 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 是 | 知 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 10.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a10))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 若 | 有 | 善 | 男 | 、 | 善 | 女 | 子 | ， | 以 | 滿 | 十 | 方 | 無 | 量 | 無 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 邊 | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 一 | 切 | 世 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 界 | ， | 上 | 妙 | 七 | 寶 | ， | 及 | 諸 | 人 | 天 | 最 | 勝 | 安 | 樂 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 布 | 施 | 爾 | 所 | 一 | 切 | 世 | 界 | 所 | 有 | 眾 | 生 | ， | 供 | 養 | 爾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 一 | 切 | 世 | 界 | 諸 | 佛 | 菩 | 薩 | ， | 經 | 爾 | 所 | 佛 | 剎 | 極 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 微 | 塵 | 數 | 劫 | ， | 相 | 續 | 不 | 斷 | ， | 所 | 得 | 功 | 德 | ； | 若 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 復 | 有 | 人 | ， | 聞 | 此 | 願 | 王 | ， | 一 | 經 | 於 | 耳 | ， | 所 | 有 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 功 | 德 | ， | 比 | 前 | 功 | 德 | ， | 百 | 分 | 不 | 及 | 一 | ， | 千 | 分 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 不 | 及 | 一 | ， | 乃 | 至 | 優 | 波 | 泥 | 沙 | 陀 | 分 | 亦 | 不 | 及 | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 或 | 復 | 有 | 人 | ， | 以 | 深 | 信 | 心 | ， | 於 | 此 | 大 | 願 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 受 | 持 | 讀 | 誦 | ， | 乃 | 至 | 書 | 寫 | 一 | 四 | 句 | 偈 | ， | 速 | 能 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 除 | 滅 | 五 | 無 | 間 | 業 | 。 | 所 | 有 | 世 | 間 | 身 | 心 | 等 | 病 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 種 | 種 | 苦 | 惱 | ， | 乃 | 至 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 一 | 切 | 惡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 業 | ， | 皆 | 得 | 消 | 除 | 。 | 一 | 切 | 魔 | 軍 | 、 | 夜 | 叉 | 、 | 羅 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 剎 | 、 | 若 | 鳩 | 槃 | 茶 | 、 | 若 | 毗 | 舍 | 闍 | 、 | 若 | 部 | 多 | 等 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 飲 | 血 | 啗 | 肉 | 諸 | 惡 | 鬼 | 神 | ， | 皆 | 悉 | 遠 | 離 | 。 | 或 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 時 | 發 | 心 | ， | 親 | 近 | 守 | 護 | 。 | 是 | 故 | 若 | 人 | 誦 | 此 | 願 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 者 | ， | 行 | 於 | 世 | 間 | ， | 無 | 有 | 障 | 礙 | 。 | 如 | 空 | 中 | 月 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 出 | 於 | 雲 | 翳 | 。 | 諸 | 佛 | 菩 | 薩 | 之 | 所 | 稱 | 讚 | ， | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 切 | 人 | 天 | 皆 | 應 | 禮 | 敬 | ， | 一 | 切 | 眾 | 生 | 悉 | 應 | 供 | 養 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 此 | 善 | 男 | 子 | ， | 善 | 得 | 人 | 身 | ， | 圓 | 滿 | 普 | 賢 | 所 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 有 | 功 | 德 | 。 | 不 | 久 | 當 | 如 | 普 | 賢 | 菩 | 薩 | ， | 速 | 得 | 成 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 就 | 微 | 妙 | 色 | 身 | ， | 具 | 三 | 十 | 二 | 大 | 丈 | 夫 | 相 | 。 |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 11.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a11))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 若 | 生 | 人 | 天 | ， | 所 | 在 | 之 | 處 | ， | 常 | 居 | 勝 | 族 | ， | 悉 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 能 | 破 | 壞 | 一 | 切 | 惡 | 趣 | ， | 悉 | 能 | 遠 | 離 | 一 | 切 | 惡 | 友 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 悉 | 能 | 制 | 服 | 一 | 切 | 外 | 道 | ， | 悉 | 能 | 解 | 脫 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 煩 | 惱 | 。 | 如 | 師 | 子 | 王 | 摧 | 伏 | 群 | 獸 | ， | 堪 | 受 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 生 | 供 | 養 | 。 | 又 | 復 | 是 | 人 | 臨 | 命 | 終 | 時 | ， | 最 | 後 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 剎 | 那 | ， | 一 | 切 | 諸 | 根 | 悉 | 皆 | 散 | 壞 | ； | 一 | 切 | 親 | 屬 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 悉 | 皆 | 捨 | 離 | ； | 一 | 切 | 威 | 勢 | 悉 | 皆 | 退 | 失 | ； | 輔 | 相 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 大 | 臣 | 、 | 宮 | 城 | 內 | 外 | 、 | 象 | 馬 | 車 | 乘 | 、 | 珍 | 寶 | 伏 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 藏 | ， | 如 | 是 | 一 | 切 | 無 | 復 | 相 | 隨 | 。 | 唯 | 此 | 願 | 王 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 不 | 相 | 捨 | 離 | ， | 於 | 一 | 切 | 時 | ， | 引 | 導 | 其 | 前 | 。 | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 剎 | 那 | 中 | ， | 即 | 得 | 往 | 生 | 極 | 樂 | 世 | 界 | 。 | 到 | 已 | 即 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 見 | 阿 | 彌 | 陀 | 佛 | 、 | 文 | 殊 | 師 | 利 | 菩 | 薩 | 、 | 普 | 賢 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | 、 | 觀 | 自 | 在 | 菩 | 薩 | 、 | 彌 | 勒 | 菩 | 薩 | 等 | 。 | 此 | 諸 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 菩 | 薩 | ， | 色 | 相 | 端 | 嚴 | ， | 功 | 德 | 具 | 足 | ， | 所 | 共 | 圍 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 繞 | 。 | 其 | 人 | 自 | 見 | 生 | 蓮 | 華 | 中 | ， | 蒙 | 佛 | 授 | 記 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 得 | 授 | 記 | 已 | ， | 經 | 於 | 無 | 數 | 百 | 千 | 萬 | 億 | 那 | 由 | 他 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 劫 | ， | 普 | 於 | 十 | 方 | 不 | 可 | 說 | 不 | 可 | 說 | 世 | 界 | ， | 以 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 智 | 慧 | 力 | ， | 隨 | 眾 | 生 | 心 | 而 | 為 | 利 | 益 | 。 | 不 | 久 | 當 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 坐 | 菩 | 提 | 道 | 場 | ， | 降 | 服 | 魔 | 軍 | ， | 成 | 等 | 正 | 覺 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 轉 | 妙 | 法 | 輪 | 。 | 能 | 令 | 佛 | 剎 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 世 | 界 | 眾 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 生 | ， | 發 | 菩 | 提 | 心 | ， | 隨 | 其 | 根 | 性 | ， | 教 | 化 | 成 | 熟 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 乃 | 至 | 盡 | 於 | 未 | 來 | 劫 | 海 | ， | 廣 | 能 | 利 | 益 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 生 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 12.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a12))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 善 | 男 | 子 | ！ | 彼 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 若 | 聞 | 、 | 若 | 信 | 此 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 願 | 王 | ， | 受 | 持 | 讀 | 誦 | ， | 廣 | 為 | 人 | 說 | ， | 所 | 有 | 功 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 德 | ， | 除 | 佛 | 世 | 尊 | ， | 餘 | 無 | 知 | 者 | 。 | 是 | 故 | 汝 | 等 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 聞 | 此 | 願 | 王 | ， | 莫 | 生 | 疑 | 念 | ， | 應 | 當 | 諦 | 受 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 受 | 已 | 能 | 讀 | ， | 讀 | 已 | 能 | 誦 | ， | 誦 | 已 | 能 | 持 | ， | 乃 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 至 | 書 | 寫 | ， | 廣 | 為 | 人 | 說 | 。 | 是 | 諸 | 人 | 等 | ， | 於 | 一 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 念 | 中 | ， | 所 | 有 | 行 | 願 | ， | 皆 | 得 | 成 | 就 | ； | 所 | 獲 | 福 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 聚 | ， | 無 | 量 | 無 | 邊 | ！ | 能 | 於 | 煩 | 惱 | 大 | 苦 | 海 | 中 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 拔 | 濟 | 眾 | 生 | ， | 令 | 其 | 出 | 離 | ， | 皆 | 得 | 往 | 生 | 阿 | 彌 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 陀 | 佛 | 極 | 樂 | 世 | 界 | 。 | 」 | 爾 | 時 | ， | 普 | 賢 | 菩 | 薩 | 摩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 訶 | 薩 | ， | 欲 | 重 | 宣 | 此 | 義 | ， | 普 | 觀 | 十 | 方 | ， | 而 | 說 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 偈 | 言 | ： | 「 | 所 | 有 | 十 | 方 | 世 | 界 | 中 | ， | 三 | 世 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 人 | 師 | 子 | ， | 我 | 以 | 清 | 淨 | 身 | 語 | 意 | ， | 一 | 切 | 遍 | 禮 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 盡 | 無 | 餘 | ， | 普 | 賢 | 行 | 願 | 威 | 神 | 力 | ， | 普 | 現 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 來 | 前 | ， | 一 | 身 | 復 | 現 | 剎 | 塵 | 身 | ， | 一 | 一 | 遍 | 禮 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 剎 | 塵 | 佛 | 。 | 於 | 一 | 塵 | 中 | 塵 | 數 | 佛 | ， | 各 | 處 | 菩 | 薩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 會 | 中 | ， | 無 | 盡 | 法 | 界 | 塵 | 亦 | 然 | ， | 深 | 信 | 諸 | 佛 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 皆 | 充 | 滿 | 。 | 各 | 以 | 一 | 切 | 音 | 聲 | 海 | ， | 普 | 出 | 無 | 盡 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 妙 | 言 | 辭 | ， | 盡 | 於 | 未 | 來 | 一 | 切 | 劫 | ， | 讚 | 佛 | 甚 | 深 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 功 | 德 | 海 | 。 | 以 | 諸 | 最 | 勝 | 妙 | 華 | 鬘 | ， | 伎 | 樂 | 塗 | 香 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 及 | 傘 | 蓋 | ， | 如 | 是 | 最 | 勝 | 莊 | 嚴 | 據 | ， | 我 | 以 | 供 | 養 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 如 | 來 | 。 | 最 | 勝 | 衣 | 服 | 最 | 勝 | 香 | ， | 末 | 香 | 燒 | 香 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 與 | 燈 | 燭 | ， | 一 | 一 | 皆 | 如 | 妙 | 高 | 聚 | ， | 我 | 悉 | 供 | 養 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 如 | 來 | 。 | 我 | 以 | 廣 | 大 | 勝 | 解 | 心 | ， | 深 | 信 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 三 | 世 | 佛 | ， | 悉 | 以 | 普 | 賢 | 行 | 願 | 力 | ， | 普 | 遍 | 供 | 養 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 如 | 來 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 13.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a13))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 我 | 昔 | 所 | 造 | 諸 | 惡 | 業 | ， | 皆 | 由 | 無 | 始 | 貪 | 嗔 | 癡 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 從 | 身 | 語 | 意 | 之 | 所 | 生 | ， | 一 | 切 | 我 | 今 | 皆 | 懺 | 悔 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 十 | 方 | 一 | 切 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 二 | 乘 | 有 | 學 | 及 | 無 | 學 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 切 | 如 | 來 | 與 | 菩 | 薩 | ， | 所 | 有 | 功 | 德 | 皆 | 隨 | 喜 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 十 | 方 | 所 | 有 | 世 | 間 | 燈 | ， | 最 | 初 | 成 | 就 | 菩 | 提 | 者 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 今 | 一 | 切 | 皆 | 勸 | 請 | ， | 轉 | 於 | 無 | 上 | 妙 | 法 | 輪 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 佛 | 若 | 欲 | 示 | 涅 | 槃 | ， | 我 | 悉 | 至 | 誠 | 而 | 勸 | 請 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 唯 | 願 | 久 | 住 | 剎 | 塵 | 劫 | ， | 利 | 樂 | 一 | 切 | 諸 | 眾 | 生 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 禮 | 讚 | 供 | 養 | 福 | ， | 請 | 佛 | 住 | 世 | 轉 | 法 | 輪 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 隨 | 喜 | 懺 | 悔 | 諸 | 善 | 根 | ， | 迴 | 向 | 眾 | 生 | 及 | 佛 | 道 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 隨 | 一 | 切 | 如 | 來 | 學 | ， | 修 | 習 | 普 | 賢 | 圓 | 滿 | 行 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 供 | 養 | 一 | 切 | 諸 | 如 | 來 | ， | 及 | 與 | 現 | 在 | 十 | 方 | 佛 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 未 | 來 | 一 | 切 | 天 | 人 | 師 | ， | 一 | 切 | 意 | 樂 | 皆 | 圓 | 滿 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 願 | 普 | 隨 | 三 | 世 | 學 | ， | 速 | 得 | 成 | 就 | 大 | 菩 | 提 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 十 | 方 | 三 | 世 | 剎 | ， | 廣 | 大 | 清 | 淨 | 妙 | 莊 | 嚴 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 眾 | 會 | 圍 | 繞 | 諸 | 如 | 來 | ， | 悉 | 在 | 菩 | 提 | 樹 | 王 | 下 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 十 | 方 | 所 | 有 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 願 | 離 | 憂 | 患 | 常 | 安 | 樂 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 獲 | 得 | 甚 | 深 | 正 | 法 | 利 | ， | 滅 | 除 | 煩 | 惱 | 盡 | 無 | 餘 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 為 | 菩 | 提 | 修 | 行 | 時 | ， | 一 | 切 | 趣 | 中 | 成 | 宿 | 命 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 常 | 得 | 出 | 家 | 修 | 淨 | 戒 | ， | 無 | 垢 | 無 | 破 | 無 | 穿 | 漏 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 天 | 龍 | 夜 | 叉 | 鳩 | 槃 | 茶 | ， | 乃 | 至 | 人 | 與 | 非 | 人 | 等 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 語 | ， | 悉 | 以 | 諸 | 音 | 而 | 說 | 法 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 14.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a14))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 勤 | 修 | 清 | 淨 | 波 | 羅 | 密 | ， | 恆 | 不 | 忘 | 失 | 菩 | 提 | 心 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 滅 | 除 | 障 | 垢 | 無 | 有 | 餘 | ， | 一 | 切 | 妙 | 行 | 皆 | 成 | 就 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 諸 | 惑 | 業 | 及 | 魔 | 境 | ， | 世 | 間 | 道 | 中 | 得 | 解 | 脫 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 猶 | 如 | 蓮 | 華 | 不 | 著 | 水 | ， | 亦 | 如 | 日 | 月 | 不 | 住 | 空 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 悉 | 除 | 一 | 切 | 惡 | 道 | 苦 | ， | 等 | 與 | 一 | 切 | 群 | 生 | 樂 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 是 | 經 | 於 | 剎 | 塵 | 劫 | ， | 十 | 方 | 利 | 益 | 恆 | 無 | 盡 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 常 | 隨 | 順 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 盡 | 於 | 未 | 來 | 一 | 切 | 劫 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 恆 | 修 | 普 | 賢 | 廣 | 大 | 行 | ， | 圓 | 滿 | 無 | 上 | 大 | 菩 | 提 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 與 | 我 | 同 | 行 | 者 | ， | 於 | 一 | 切 | 處 | 同 | 集 | 會 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 身 | 口 | 意 | 業 | 皆 | 同 | 等 | ， | 一 | 切 | 行 | 願 | 同 | 修 | 學 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 益 | 我 | 善 | 知 | 識 | ， | 為 | 我 | 顯 | 示 | 普 | 賢 | 行 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 常 | 願 | 與 | 我 | 同 | 集 | 會 | ， | 於 | 我 | 常 | 生 | 歡 | 喜 | 心 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 願 | 常 | 面 | 見 | 諸 | 如 | 來 | ， | 及 | 諸 | 佛 | 子 | 眾 | 圍 | 繞 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 彼 | 皆 | 興 | 廣 | 大 | 供 | ， | 盡 | 未 | 來 | 劫 | 無 | 疲 | 厭 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 願 | 持 | 諸 | 佛 | 微 | 妙 | 法 | ， | 光 | 顯 | 一 | 切 | 菩 | 提 | 行 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 究 | 竟 | 清 | 淨 | 普 | 賢 | 道 | ， | 盡 | 未 | 來 | 劫 | 常 | 修 | 習 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 於 | 一 | 切 | 諸 | 有 | 中 | ， | 所 | 修 | 福 | 智 | 恆 | 無 | 盡 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 定 | 慧 | 方 | 便 | 及 | 解 | 脫 | ， | 獲 | 諸 | 無 | 盡 | 功 | 德 | 藏 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 塵 | 中 | 有 | 塵 | 數 | 剎 | ， | 一 | 一 | 剎 | 有 | 難 | 思 | 佛 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 一 | 佛 | 處 | 眾 | 會 | 中 | ， | 我 | 見 | 恆 | 演 | 菩 | 提 | 行 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 15.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a15))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 普 | 盡 | 十 | 方 | 諸 | 剎 | 海 | ， | 一 | 一 | 毛 | 端 | 三 | 世 | 海 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 佛 | 海 | 及 | 與 | 國 | 土 | 海 | ， | 我 | 遍 | 修 | 行 | 經 | 劫 | 海 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 切 | 如 | 來 | 語 | 清 | 淨 | ， | 一 | 言 | 具 | 眾 | 音 | 聲 | 海 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 隨 | 諸 | 眾 | 生 | 意 | 樂 | 音 | ， | 一 | 一 | 流 | 佛 | 辯 | 才 | 海 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 三 | 世 | 一 | 切 | 諸 | 如 | 來 | ， | 於 | 彼 | 無 | 盡 | 語 | 言 | 海 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 恆 | 轉 | 理 | 趣 | 妙 | 法 | 輪 | ， | 我 | 深 | 智 | 力 | 普 | 能 | 入 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 能 | 深 | 入 | 於 | 未 | 來 | ， | 盡 | 一 | 切 | 劫 | 為 | 一 | 念 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 三 | 世 | 所 | 有 | 一 | 切 | 劫 | ， | 為 | 一 | 念 | 際 | 我 | 皆 | 入 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 於 | 一 | 念 | 見 | 三 | 世 | ， | 所 | 有 | 一 | 切 | 人 | 師 | 子 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 亦 | 常 | 入 | 佛 | 境 | 界 | 中 | ， | 如 | 幻 | 解 | 脫 | 及 | 威 | 力 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 於 | 一 | 毛 | 端 | 極 | 微 | 中 | ， | 出 | 現 | 三 | 世 | 莊 | 嚴 | 剎 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 十 | 方 | 塵 | 剎 | 諸 | 毛 | 端 | ， | 我 | 皆 | 深 | 入 | 而 | 嚴 | 淨 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 有 | 未 | 來 | 照 | 世 | 燈 | ， | 成 | 道 | 轉 | 法 | 悟 | 群 | 有 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 究 | 竟 | 佛 | 事 | 示 | 涅 | 槃 | ， | 我 | 皆 | 往 | 詣 | 而 | 親 | 近 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 速 | 疾 | 周 | 遍 | 神 | 通 | 力 | ， | 普 | 門 | 遍 | 入 | 大 | 乘 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 智 | 行 | 普 | 修 | 功 | 德 | 力 | ， | 威 | 神 | 普 | 覆 | 大 | 慈 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 遍 | 淨 | 莊 | 嚴 | 勝 | 福 | 力 | ， | 無 | 著 | 無 | 依 | 智 | 慧 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 定 | 慧 | 方 | 便 | 威 | 神 | 力 | ， | 普 | 能 | 積 | 集 | 菩 | 提 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 清 | 淨 | 一 | 切 | 善 | 業 | 力 | ， | 摧 | 滅 | 一 | 切 | 煩 | 惱 | 力 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 降 | 服 | 一 | 切 | 諸 | 魔 | 力 | ， | 圓 | 滿 | 普 | 賢 | 諸 | 行 | 力 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 普 | 能 | 嚴 | 淨 | 諸 | 剎 | 海 | ， | 解 | 脫 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 海 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 善 | 能 | 分 | 別 | 諸 | 法 | 海 | ， | 能 | 甚 | 深 | 入 | 智 | 慧 | 海 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 普 | 能 | 清 | 淨 | 諸 | 行 | 海 | ， | 圓 | 滿 | 一 | 切 | 諸 | 願 | 海 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 親 | 近 | 供 | 養 | 諸 | 佛 | 海 | ， | 修 | 行 | 無 | 倦 | 經 | 劫 | 海 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 三 | 世 | 一 | 切 | 諸 | 如 | 來 | ， | 最 | 勝 | 菩 | 提 | 諸 | 行 | 願 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 皆 | 供 | 養 | 圓 | 滿 | 修 | ， | 以 | 普 | 賢 | 行 | 悟 | 菩 | 提 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 16.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a16))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 一 | 切 | 如 | 來 | 有 | 長 | 子 | ， | 彼 | 名 | 號 | 曰 | 普 | 賢 | 尊 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 今 | 迴 | 向 | 諸 | 善 | 根 | ， | 願 | 諸 | 智 | 行 | 悉 | 同 | 彼 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 願 | 身 | 口 | 意 | 恆 | 清 | 淨 | ， | 諸 | 行 | 剎 | 土 | 亦 | 復 | 然 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 是 | 智 | 慧 | 號 | 普 | 賢 | ， | 願 | 我 | 與 | 彼 | 皆 | 同 | 等 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 為 | 遍 | 淨 | 普 | 賢 | 行 | ， | 文 | 殊 | 師 | 利 | 諸 | 大 | 願 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 滿 | 彼 | 事 | 業 | 盡 | 無 | 餘 | ， | 未 | 來 | 際 | 劫 | 恆 | 無 | 倦 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 所 | 修 | 行 | 無 | 有 | 量 | ， | 獲 | 得 | 無 | 量 | 諸 | 功 | 德 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 安 | 住 | 無 | 量 | 諸 | 行 | 中 | ， | 了 | 達 | 一 | 切 | 神 | 通 | 力 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 文 | 殊 | 師 | 利 | 勇 | 猛 | 智 | ， | 普 | 賢 | 慧 | 行 | 亦 | 復 | 然 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 今 | 迴 | 向 | 諸 | 善 | 根 | ， | 隨 | 彼 | 一 | 切 | 常 | 修 | 學 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 三 | 世 | 諸 | 佛 | 所 | 稱 | 歎 | ， | 如 | 是 | 最 | 勝 | 諸 | 大 | 願 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 今 | 迴 | 向 | 諸 | 善 | 根 | ， | 為 | 得 | 普 | 賢 | 殊 | 勝 | 行 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 願 | 我 | 離 | 欲 | 命 | 終 | 時 | ， | 盡 | 除 | 一 | 切 | 諸 | 障 | 礙 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 面 | 見 | 彼 | 佛 | 阿 | 彌 | 陀 | ， | 即 | 得 | 往 | 生 | 安 | 樂 | 剎 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 既 | 往 | 生 | 彼 | 國 | 已 | ， | 現 | 前 | 成 | 就 | 此 | 大 | 願 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 切 | 圓 | 滿 | 盡 | 無 | 餘 | ， | 利 | 樂 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 界 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 彼 | 佛 | 眾 | 會 | 咸 | 清 | 淨 | ， | 我 | 時 | 於 | 勝 | 蓮 | 華 | 生 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 親 | 睹 | 如 | 來 | 無 | 量 | 光 | ， | 現 | 前 | 授 | 我 | 菩 | 提 | 記 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 蒙 | 彼 | 如 | 來 | 授 | 記 | 已 | ， | 化 | 身 | 無 | 數 | 百 | 俱 | 胝 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 智 | 力 | 廣 | 大 | 遍 | 十 | 方 | ， | 普 | 利 | 一 | 切 | 眾 | 生 | 界 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 乃 | 至 | 虛 | 空 | 世 | 界 | 盡 | ， | 眾 | 生 | 及 | 業 | 煩 | 惱 | 盡 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 是 | 一 | 切 | 無 | 盡 | 時 | ， | 我 | 願 | 究 | 竟 | 恆 | 無 | 盡 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 17.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a17))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 十 | 方 | 所 | 有 | 無 | 邊 | 剎 | ， | 莊 | 嚴 | 眾 | 寶 | 供 | 如 | 來 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 最 | 勝 | 安 | 樂 | 施 | 天 | 人 | ， | 經 | 一 | 切 | 剎 | 微 | 塵 | 劫 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 若 | 人 | 於 | 此 | 勝 | 願 | 王 | ， | 一 | 經 | 於 | 耳 | 能 | 生 | 信 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 求 | 勝 | 菩 | 提 | 心 | 渴 | 仰 | ， | 獲 | 勝 | 勝 | 德 | 過 | 於 | 彼 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 即 | 常 | 遠 | 離 | 惡 | 知 | 識 | ， | 永 | 離 | 一 | 切 | 諸 | 惡 | 道 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 速 | 見 | 如 | 來 | 無 | 量 | 光 | ， | 具 | 此 | 普 | 賢 | 最 | 勝 | 願 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 人 | 善 | 得 | 勝 | 壽 | 命 | ， | 此 | 人 | 善 | 來 | 人 | 中 | 生 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 此 | 人 | 不 | 久 | 當 | 成 | 就 | ， | 如 | 彼 | 普 | 賢 | 菩 | 薩 | 行 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 往 | 昔 | 由 | 無 | 智 | 慧 | 力 | ， | 所 | 造 | 極 | 惡 | 五 | 無 | 間 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 誦 | 此 | 普 | 賢 | 大 | 願 | 王 | ， | 一 | 念 | 速 | 疾 | 皆 | 消 | 滅 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 族 | 姓 | 種 | 類 | 及 | 容 | 色 | ， | 相 | 好 | 智 | 慧 | 咸 | 圓 | 滿 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 諸 | 魔 | 外 | 道 | 不 | 能 | 摧 | ， | 堪 | 為 | 三 | 界 | 所 | 應 | 供 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 速 | 詣 | 菩 | 提 | 大 | 樹 | 王 | ， | 坐 | 已 | 降 | 服 | 諸 | 魔 | 眾 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 成 | 等 | 正 | 覺 | 轉 | 法 | 輪 | ， | 普 | 利 | 一 | 切 | 諸 | 含 | 識 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 若 | 人 | 於 | 此 | 普 | 賢 | 願 | ， | 讀 | 誦 | 受 | 持 | 及 | 演 | 說 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 果 | 報 | 唯 | 佛 | 能 | 證 | 知 | ， | 決 | 定 | 獲 | 勝 | 菩 | 提 | 道 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 若 | 人 | 誦 | 持 | 普 | 賢 | 願 | ， | 我 | 說 | 少 | 分 | 之 | 善 | 根 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 念 | 一 | 切 | 悉 | 皆 | 圓 | ， | 成 | 就 | 眾 | 生 | 清 | 淨 | 願 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 我 | 此 | 普 | 賢 | 殊 | 勝 | 行 | ， | 無 | 邊 | 勝 | 福 | 皆 | 迴 | 向 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 普 | 願 | 沉 | 逆 | 諸 | 眾 | 生 | ， | 速 | 往 | 無 | 量 | 光 | 佛 | 剎 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 」 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

## 18.([本段白話註解](../law-book/普賢菩薩行願品白話解釋.docx#a18))

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 爾 | 時 | ， | 普 | 賢 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ， | 於 | 如 | 來 | 前 | ， |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 說 | 此 | 普 | 賢 | 廣 | 大 | 願 | 王 | 清 | 淨 | 偈 | 已 | 。 | 善 | 財 | 童 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 子 | ， | 踴 | 躍 | 無 | 量 | ， | 一 | 切 | 菩 | 薩 | ， | 皆 | 大 | 歡 | 喜 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 如 | 來 | 讚 | 言 | ： | 「 | 善 | 哉 | ！ | 善 | 哉 | ！ | 」 | 爾 | 時 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | ， | 世 | 尊 | 與 | 諸 | 聖 | 者 | ， | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | ， | 演 | 說 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 如 | 是 | 不 | 可 | 思 | 議 | 解 | 脫 | 境 | 界 | 勝 | 法 | 門 | 時 | ， | 文 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 殊 | 師 | 利 | 菩 | 薩 | 而 | 為 | 上 | 首 | 。 | 諸 | 大 | 菩 | 薩 | ， | 及 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 所 | 成 | 熟 | 六 | 千 | 比 | 丘 | ， | 彌 | 勒 | 菩 | 薩 | 而 | 為 | 上 | 首 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 。 | 賢 | 劫 | 一 | 切 | 諸 | 大 | 菩 | 薩 | ， | 無 | 垢 | 普 | 賢 | 菩 | 薩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 而 | 為 | 上 | 首 | 。 | 一 | 生 | 補 | 處 | 住 | 灌 | 頂 | 位 | 諸 | 大 | 菩 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 薩 | ， | 及 | 餘 | 十 | 方 | 種 | 種 | 世 | 界 | ， | 普 | 來 | 集 | 會 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 一 | 切 | 剎 | 海 | 極 | 微 | 塵 | 數 | 菩 | 薩 | 摩 | 訶 | 薩 | 眾 | 、 | 大 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 智 | 舍 | 利 | 弗 | 、 | 摩 | 訶 | 目 | 犍 | 連 | 等 | 而 | 為 | 上 | 首 | 。 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 諸 | 大 | 聲 | 聞 | ， | 并 | 諸 | 人 | 天 | 一 | 切 | 世 | 主 | 、 | 天 | 、 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 龍 | 、 | 夜 | 叉 | 、 | 乾 | 達 | 婆 | 、 | 阿 | 修 | 羅 | 、 | 迦 | 樓 | 羅 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 、 | 緊 | 那 | 羅 | 、 | 摩 | 侯 | 羅 | 伽 | 、 | 人 | 非 | 人 | 等 | 一 | 切 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 大 | 眾 | ， | 聞 | 佛 | 所 | 說 | ， | 皆 | 大 | 歡 | 喜 | ， | 信 | 受 | 奉 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1. **v** | 行 | 。 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |